एशिया की भौगोलिक रूपरेखा

परिचय

एशिया महाद्वीप दुनिया में आकार और जनसंख्या दोनों ही के मामले में सबसे बड़ा है। यह पृथ्वी पर लगभग एक तिहाई भूमि तक फैला है। अक्षांशीय रूप से, एशिया पृथ्वी के सभी गर्म क्षेत्रों में फैला हुआ है। भूमध्य रेखा से 10^0 दक्षिण से 80^0 उत्तर तक, अधिकतम भाग जो जमे हुए आर्कटिक क्षेत्र में स्थित है। देशांतर परिसीमा के अनुसार, यह मध्यम से 25^0 पूर्वी एशिया के तटों से लेकर बेरिंग स्ट्रेट में 180 डिग्री मेरिडियन से 10 डिग्री तक फैला हुआ है।

एशिया के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पूर्व में प्रशांत महासागर, पश्चिम में भूमध्य सागर और दक्षिण में हिंद महासागर स्थित है। यूराल पर्वत और यूराल नदी, कैस्पियन सागर, काकेशस पर्वत, काला सागर और लाल सागर इसे यूरोप से अलग करते हैं। लाल सागर और स्वेज नहर, इसे अफ्रीका से अलग करते हैं, जबकि बेरिंग जलडमरूमध्य इसे उत्तरी अमेरिका से अलग करता है।

भौतिक विशेषताएं

अपने आकार की तुलना में, एशिया में कुछ भौगोलिक विभाजन हैं। इस प्रकार, स्थानों के अनुसार, इसे पांच विभाजनों में विभाजित किया जा सकता है।

1. उत्तरी तराई के मैदान

एशिया के उत्तर में अर्थात् आर्कटिक सागर की ओर झुकते हुए विशाल साइबेरियाई मैदान है। यह आकार में लगभग त्रिकोणीय है, यूराल पर्वत और आर्कटिक महासागर दो पक्षों का निर्माण करते हैं तथा केंद्रीय पर्वत आधार बनाते हैं। यह पश्चिम में यूराल से पूर्व में याब्लानोवी, स्टैनोवो और वेरखोयांस्क पर्वतमाला तक फैला हुआ है। केंद्रीय पर्वत श्रृंखला से तीन लम्बी, धीमी धारा वाली नदियाँ (ओब, एनिसी और लेना) उत्तर की ओर बहती हैं। यूराल के दक्षिण में, इस मैदान का एक छोटा सा हिस्सा बाकी हिस्से से अलग है क्योंकि यह अंतर्देशीय जल निकासी का एक बेसिन है जिसे तुरान मैदान के रूप में जाना जाता है। यह इसे दो नदियों, सीर दरिया और अमू दरिया, जो अरल सागर में बहती हैं

2. सेंट्रल माउंटेन मास

एशिया का दिल महान युवा फोल्ड पर्वत श्रृंखलाओं और उच्च पठारों से बना है। ये दुनिया में सबसे बड़ी पर्वतमाला क्षेत्रों का निर्माण करते हैं, और वे एक पहिये के केंद्र से किरणों की तरह तीव्रता से फैलते हुए लगते हैं। दो हब होते हैं या गुच्छे होते हैं भारत के उत्तर में पामीर की गांठ और एशिया माइनर के पश्चिमी हिस्से में अर्मेनियाई गांठ दो केंद्र या समुद्री मील हैं।

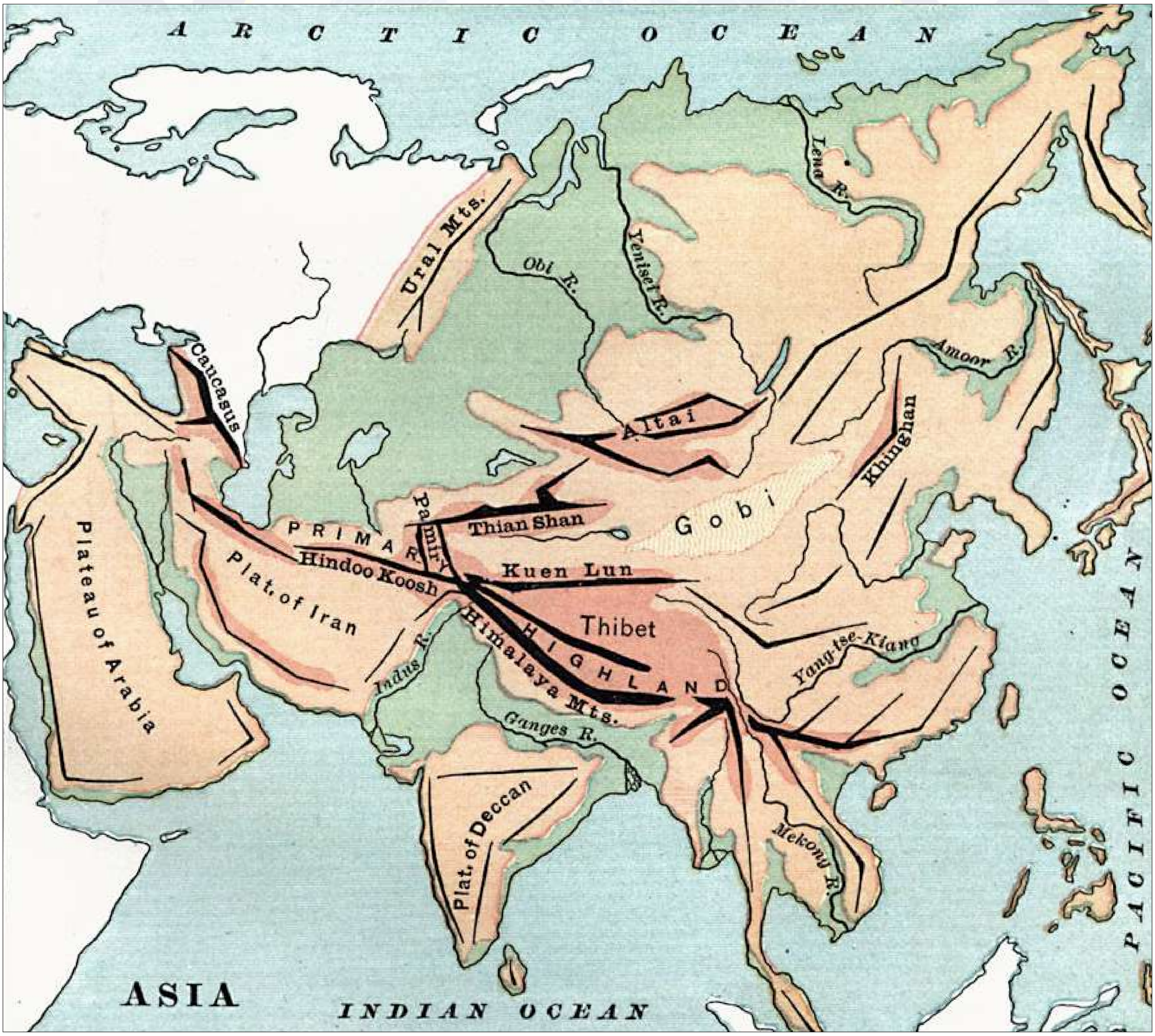

2.1. पामीर की गांठ के पठार

पामीर की गांठ से दक्षिण पूर्व की ओर हिमालय, काराकोरम और कुनलुन पर्वत तक फैला हुआ है। इन पर्वतों के उत्तर में पश्चिम से पूर्व की दिशा में तिआन शान और नान शान पर्वत स्थित हैं। तिब्बत, 'पामीर की गांठ जो (दुनिया की छत') हिमालय और कुनलुन पर्वत के बीच अंतर-पर्वतीय पठार है। तारिम बेसिन कुनलुन और तियान शान के बीच स्थित है। कुंलून के पूर्व में क्याडम पेंडी स्थित है, इसके पूर्व की ओर गोबी रेगिस्तान स्थित है जो उत्तर में मंगोलिया के पठार और अल्ताई रेंज से घिरा हुआ है। पूर्व की ओर चलते हुए, फोल्ड पर्वतों में सबसे दक्षिणी हिमालय है। हिमालय भारत के उत्तरपूर्वी भाग में दक्षिण की ओर फैला हुआ है और म्यांमार (बर्मा) में अराकन और पेगू योमास के रूप में भाग लेते हुए मलेशिया उपमहाद्वीप तक जारी रहते हैं और उपसमुद्री श्रृंखलाएं के रूप में इंडोनेशियाई द्वीप समूह तक जारी रहते हैं।

2.2. अर्मेनियाई गाँठ के पठार

अर्मेनियाई गाँठ से पश्चिम की ओर पोंटिक और वृषभ पर्वत का विस्तार होता है जो तुर्की की उत्तरी और दक्षिणी श्रृंखलाएँ हैं जिसमें अनातोलिया का मैदान बीच में होता है यह एशिया माइनर का द्वीप है। अर्मेनियाई नॉट से, पूर्व की ओर एल्बर्ज और ज़ाग्रोस चलता है, जो ईरान के इंटर्मोंटेन पठार को घेर-लेता है।

3. दक्षिण के पठार

ये कठोर पुरानी मेटामॉर्फिक तीन चट्टानों से बने होते हैं। तीनों समुद्र में आगे बढ़ते हुए एक प्रायद्वीपीय रेखा बनाते हैं वे अरब पठार, दक्कन पठार और शान और युन्नान के पठार हैं जो समुद्र के तटों के बिना जाने जाने वाले द्वीपों के रूप में जाने जाते हैं। जबकि अरब पठार एक गर्म रेगिस्तान है, अन्य दो मानसून की बारिश से नष्ट हो गए हैं और गहरी नदी घाटियों में बदल गया है इसलिए उन्हें "विच्छेदित पठार" कहा जाता है।

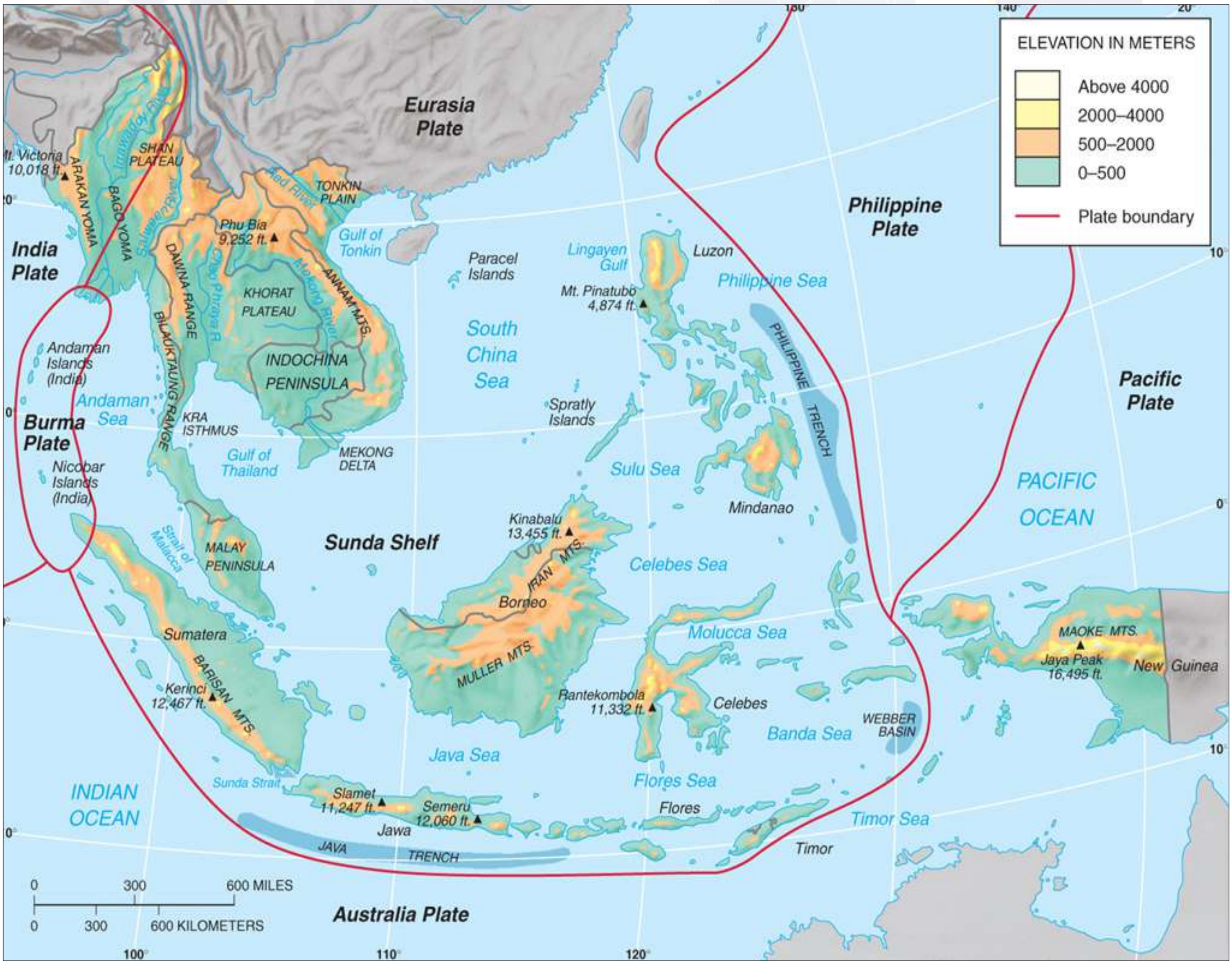

4. नदी घाटियाँ

ये एशिया के सबसे उत्पादक क्षेत्र हैं। इनके पास विस्तृत बाढ़ मुक्त मैदान और डेल्टा होते हैं, जो पूरी तरह से जलोढ़ से बने हैं। मिट्टी बहुत उपजाऊ है और परिवहन आसान है। ये दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्र हैं। टिगरिस और यूफ्रेट्स नदियाँ फारस की खाड़ी में बहती हैं; सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र भारतीय प्रायद्वीप के हैं म्यांमार के इरावदी और साल्वीन; दक्षिण-पूर्व एशिया के मेनम और मेकांग हैं। चीन की नदियां हैं, जैसे- शी जियांग, चांग जियांग और ह्वांग ही। अमूर नदी चीन और सीआईएस नदी चांग जियांग के बीच सीमा का हिस्सा है चांग जियांग एशिया की सबसे लंबी नदी है।

5. पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी द्वीप समूह

पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी द्वीप समूह और आसपास के प्रायद्वीप जलमग्न फोल्ड पहाड़ों की चोटियां और श्रेणियां हैं। असंख्य द्वीप जलडमरू मध्य और छोटे समुद्रों द्वारा एक दूसरे से तथा मुख्य भूमि से अलग हो जाते हैं। जापानी द्वीप समूह, फिलीपींस और इंडोनेशिया के बड़े द्वीप समूह हैं। कामचटका, कोरिया और मलेशिया प्रायद्वीप हैं। सिंगापुर और हांगकांग के व्यस्त बंदरगाह दोनों द्वीप हैं। इस क्षेत्र के पूर्वी अधिरोहण अग्निकंड की अंतःस्थल से भाग होने के कारण भूकंप और ज्वालामुखी अक्सर घटित होते हैं।

जल निकासी प्रणाली

हालांकि एशिया की नदियों की उत्पत्ति मध्य पर्वत माला में होती है, लेकिन वे सागरों में जाने वाले नदी के अनुसार वर्गीकृत होते हैं। इस वर्गीकरण को जल निकासी प्रणाली कहा जाता है। एशिया में हमारे पास निम्नलिखित नदी प्रणालियां हैं।

1. हिंद महासागर-नदियों तीग्रिस और यूफ्रेटीस पर्षियन खाड़ी में बहती हैं; इंडस, गंगा, ब्रह्मपुत्र, इरावती और सलवीन हिंद महासागर की शाखाओं में बहती हैं।
2. प्रशांत महासागर जल निकासी में मेनम, मेकांग, शी जियांग, चांग जियांग, हुआंग हे और अमूर शामिल हैं।
3. आर्कटिक महासागर जल निकासी में उत्तर की तीन नदियाँ, ओब, येनिसे और लीना शामिल हैं।
4. अंतर्देशीय जल निकासी-नदी जॉर्डन नदी मृत सागर में बहती है; आमू दर्या और सीर दर्या अरल सागर में बहती हैं।

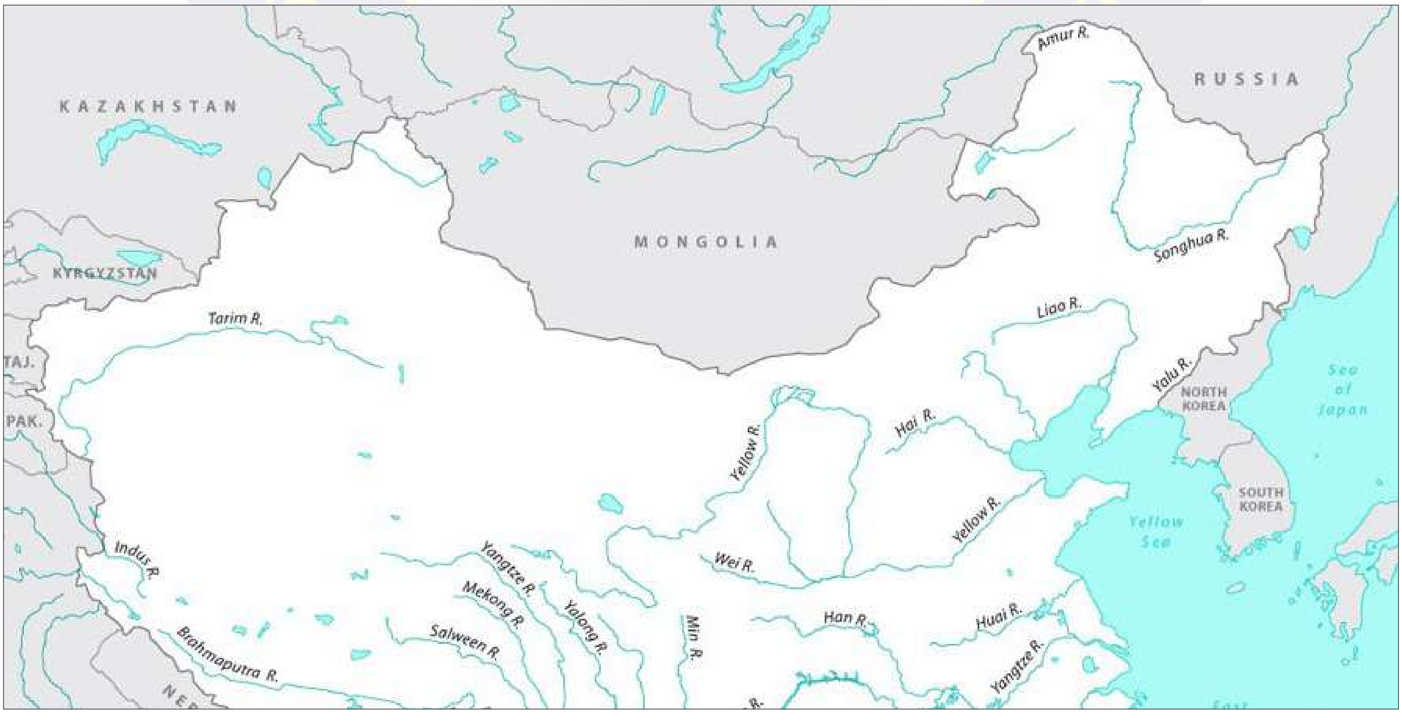

एशिया की जलवायु

एशिया जैसा विशाल महाद्वीप में विभिन्न प्रकार की जलवायु पाई जाती है, वह है।

1. **भूमध्यरेखीय या वर्षावन जलवायु:** इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया, श्रीलंका और सिंगापुर इस प्रकार के जलवायु पाई जाती है। तापमान पूरे वर्ष में ऊपर बना रहता है और औसत तापमान 21°C होता है। दिन के दौरान तेजी से वाष्पीकरण होता है जिसके परिणामस्वरूप क्यूमुलोनिंबस बादलों का निर्माण होता है। दोपहर के दौरान संवहन वर्षा होती है।
2. **उष्णकटिबंधीय मानसून या आर्द्र उप-उष्णकटिबंधीय जलवायु:** उत्तरी मलेशिया, दक्षिण चीन, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, लाओस, म्यांमार, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान मानसून जलवायु पाई जाती हैं। आम तौर पर दो मौसम पाए जाते हैं- वर्षा से भरी ग्रीष्मकाल और शुष्क सर्दियां। गर्मियों के दौरान हवाएं समुद्र (उच्च दबाव) से भूमि (कम दबाव) की ओर बहती हैं जिससे जून से सितंबर तक चार महीने तक बारिश होती है। सर्दियों में वही हवाएं भूमि (उच्च दबाव) से समुद्र (कम दबाव) की ओर बहती हैं।
3. **चीन की जलवायु के प्रकार:** मध्य और उत्तरी चीन और दक्षिणी जापान इस प्रकार की जलवायु पाई जाती हैं वर्षा गर्मियों में होती है जब नमी से भरी हवाएं 'समुद्रों' से आती हैं। सर्दियों में बर्फबारी होती है।
4. **मंचूरियन की जलवायु के प्रकार:** मंचूरिया, पूर्वी कोरिया, पूर्वी रूस, उत्तर पूर्वी चीन और उत्तर मध्य जापान इस जलवायु के प्रकार के अंतर्गत आते हैं। सर्दियां लंबी और गंभीर होती हैं। मध्य एशिया से इस क्षेत्र की ओर ठंडी ठंडी हवाएं चलती हैं, बरसात गर्मियों में होती है तथा उदाहरण के लिए व्लादिवोस्टोक में जनवरी में तापमान -14°C होता है।
5. **गर्म रेगिस्तान के प्रकार:** यह दक्षिण पश्चिम एशिया से थार रेगिस्तान तक फैला हुआ है। तापमान अत्यधिक होता है, गर्मियों में तापमान उच्च होता है जबकि सर्दियां ठंडी होती हैं। बादलों की अनुपस्थिति के कारण दिवस-रात्रि का तापमान का अंतर उच्च होता है। सूर्यातप का अधिकतम अवशोषण दिन के दौरान होता है और स्थलीय विकिरण रात में होता है।

6. **मध्य अक्षांश रेगिस्तान के प्रकार:** मध्य अक्षांश रेगिस्तान के प्रकार: एस जलवायु के प्रकार उच्च पठार और मध्य अक्षांश रेगिस्तानों जैसे तिब्बत, गोबी और ईरान में पाई जाते हैं। गर्मियों में ज्वार(गरमाहट) बहुत ज्यादा होती है और सर्दियों में शून्य से नीचे होती है। सर्दियों में कभी-कभी साइक्लोन वर्षा हो जाती है । गर्मियों में बारिश संवहन वर्षा से आ सकती है।

7. **भूमध्यसागरीय प्रकार:** यह तुर्की, सीरिया और इज़राइल में पाए जाते हैं। ग्रीष्मकाल गर्म और शुष्क होता है, भूमध्य सागर से लाए गए समशीतोष्ण चक्रवातों से आने वाली बारिश के साथ सर्दियां हल्की होती हैं।

8. **मध्य अक्षांश महाद्वीपीय या स्टेपी के प्रकार:** स्टेपी घास के क्षेत्र में होता है। समुद्र से बहुत दूरी के कारण तापमान बहुत चरम पर है। सर्दियां लंबी और ठंडी होती हैं और ग्रीष्मकाल छोटा और बहुत गर्म होता है। गर्मियों में अल्प वर्षा और सर्दियों में बर्फबारी होती

है।

9. **शीत समशीतोष्ण महाद्वीपीय प्रकार:** साइबेरिया और उत्तरी मैदानों के बीच एक विस्तृत बेल्ट को घेरता है। सर्दियाँ लंबी और ठंडी होती हैं गर्मियों का समय छोटा और शीतल होता है। वेरखोयांस्क 'कोल्ड पोल' इस जलवायु बेल्ट में स्थित है. इसे ठंडी ध्रुव कहा जाता है, अधिकांश वर्षा गर्मियों में होती है और सर्दियां बर्फीली होती हैं।

10. **आर्कटिक रेगिस्तान (टुंड्रा) के प्रकार:** आर्कटिक सर्कल से परे होता सर्दियाँ लगभग 9 महीने तक होती हैं। गर्मियों का समय छोटा होता है और दक्षिणी भाग में 10°C के तापमान का अनुभव होता है। वार्षिक वर्षा लगभग 20 सेमी होती है। उपभूमि कभी नहीं पिघलती है और स्थायी रूप से जमी हुई रहती है। इसे तकनीकी रूप से 'पर्माफ्रोस्ट' कहा जाता है।

प्राकृतिक वनस्पति और वन्यजीव

एशिया में आठ प्रकार की प्राकृतिक वनस्पतियाँ पाई जाती हैं-

1. **भूमध्यरेखीय वन:** यह क्षेत्र भूमध्य रेखा के पास स्थित है और मलेशिया, इंडोनेशिया, दक्षिणी श्रीलंका और फिलीपींस में स्थित है। जलवायु हमेशा गर्मी और बरसात होती है, इसलिए पौधे और पेड़ चौड़ी पत्तियों के साथ लंबे होते हैं। पौधे अक्सर सूरज की रोशनी की ओर बढ़ने वाली लताओं के साथ जुड़े होते यहाँ महोगनी, ईबनी, रोजवुड और पाम्स जैसे पेड़ उगते हैं।
2. **उष्णकटिबंधीय मानसून वन:** कर्क रेखा के पास स्थित भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, उत्तरी श्रीलंका और म्यांमार जैसे तटीय क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय वन होते हैं। यहाँ मुख्य रूप से गर्म और भीषण बरसात होती है। पाए जाने वाले पेड़ काफी हद तक पर्णपाती(झड़ते) होते हैं और अत्यधिक वाष्पोत्सर्जन को रोकने के लिए गर्म शुष्क गर्मी के महीनों में अपनी पत्ते गिरा देते हैं।
3. **रेगिस्तान:** चीन, अरब और भारत (थार) में विशाल रेगिस्तानी क्षेत्र हैं। गर्म रेगिस्तान (अरब और भारत) में ग्रीष्मकाल में तापमान उच्च होता है, इन क्षेत्रों में लगभग कोई वर्षा नहीं होती है इसलिए केवल कैक्टस, झाड़ियाँ और कांटेदार झाड़ियाँ ही उगती हैं, हालांकि खजूर के पेड़ तालाबों में भी उगते हैं। ठंडे रेगिस्तान ऊंचे पहाड़ों से घिरे होते हैं और बहुत ठंडी सर्दियों का अनुभव करते हैं। इन रेगिस्तानों के किनारे छोटी घास और कम कांटेदार झाड़ियाँ उगती हैं।
4. **समशीतोष्ण घास के मैदान:** इसे शुष्क घास के मैदान के रूप में जाना जाता है। यह क्षेत्र पश्चिम में यूक्रेन से पूर्व में बलखाश झील और साइबेरिया तक एक संकीर्ण बेल्ट है। गर्मियों में तापमान उष्ण होता है और सर्दियों में ठंडा होता है। वर्षा 20 से 50 सेमी के बीच होती है, जो पेड़ों के लिए पर्याप्त नहीं होती है, लेकिन इस क्षेत्र में छोटी घास और कम झाड़ियां उगती हैं। इस वनस्पति को स्टेपीज भी कहा जाता है।
5. **भूमध्यसागरीय वुडलैंड्स:** एशिया का बहुत ही छोटा क्षेत्र इस प्रकार के वनों के अंतर्गत आता है। ये तुर्की के तट और सीरिया, लेबनान और इजराइल के कुछ हिस्सों में होते हैं। ग्रीष्मकाल गर्म और शुष्क होता है और सर्दियां हल्की और नम रहती हैं। यहाँ सीद्र, गेहूँ का अंगूर और खट्टे फल पैदा होते हैं।
6. **उपोष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण मिश्रित वन:** मध्यम वर्षा वाले मिश्रित वन अधिकतर उष्णकटिबंधीय वनों से ऊपर और बाहर पाए जाते हैं, मुख्य रूप से उत्तर और मध्य चीन, दक्षिण जापान और दक्षिण कोरिया में। जलवायु ठंडी और शुष्क है। इन जंगलों में ओक, बांस और शहतूत जैसे व्यापक पत्तेदार पर्णपाती पेड़ पाए जाते हैं। दक्षिण चीन में उपोष्णकटिबंधीय वन पाए जाते हैं।
7. **साइबेरियाई जंगल या टैगा:** टैगा समशीतोष्ण घास के मैदानों के उत्तर में स्थित है। वे शंकुधारी जंगल की एक विस्तृत पट्टी बनाते हैं। लंबी और गंभीर सर्दियों में संक्षिप्त ग्रीष्मकाल होता है जो केवल तीन महीने तक रहता है।
8. **टुंड्रा या ध्रुवीय:** यह बेल्ट महाद्वीप के उत्तरी तट के साथ एक संकीर्ण पट्टी है। यहां की वनस्पति ज्यादातर घास, झाड़ी, काई, लाइकेन और कुछ अविकसित (बौने) पेड़ मिलकर बनी होती है।

Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR